Publication Name: Dainik Bhaskar
Publication Date: 01/01/2026
Edition: Delhi
Page No: 1
CCM: 198.18

Bharat Taxi... 30% Cheaper Than Ola-Uber During Peak Hours

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट सहकारी सर्विस सबसे सस्ती

भारत टैक्सी... पीक आवर में ओला-उबर से 30% तक सस्ती

जनवरी में दिल्ली-राजकोट में शुरू होगी, पायलट प्रोजेक्ट सफल

अजय प्रकाश | नई दिल्ली

केंद्र सरकार की सहकारी सर्विस 'भारत टैक्सी' अपने पायलट प्रोजेक्ट में ही ओला-उबर पर भारी पड़ रही है। सहकारी टैक्सी पीक ऑवर में अपनी प्राइवेट प्रतिद्वंद्वियों से 25 से 30% तक सस्ती पड़ रही है। इसका ट्रायल डेढ़ महीने पहले दिल्ली और गुजरात के राजकोट में शुरू हुआ था, जो सफल रहा है। जनवरी से इन दो शहरों में भारत टैक्सी पूरी तरह काम करने लगेगी। छह महीने बाद मुंबई, पुणे में शुरू होगी।

भास्कर ने दिल्ली में 100 से ज्यादा ड्राइवरों, राइडर्स, यूनियन पदाधिकारियों और भारत टैक्सी एप से जुड़े अधिकारियों से बात की। इसी दौरान ओला, उबर, रैपिडो और भारत टैक्सी के रेट की जांच की। पीक ऑवर यानी सुबह 9, शाम 7 और रात 10 बजे रियल टाइम में भारत टैक्सी और ओला-उबर के रेट में 100 रुपए से ज्यादा का अंतर मिला। जबकि नॉर्मल ऑवर यानी सुबह 8 बजे, दोपहर 2 बजे यह अंतर घटकर महज 5-20 रु. रह जाता है। भारत टैक्सी से दिल्ली में अब तक 2.75 लाख ग्राहक और 1.50 लाख ड्राइवर जुड़ चुके हैं। इनमें से 1.10 लाख ड्राइवर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राइवेट कंपनियां अभी नॉर्मल ऑवर में रेट गिरा रही हैं। हमें इसके लिए एग्रीगेटर मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कराना जरूरी है। इस एक्ट में पीक ऑवर में 50% रेट बढ़ाने तो नॉर्मल टाइम में 50% रेट गिराने का विकल्प है। इससे कंपनियां तो मालामाल हुईं, लेकिन ड्राइवर नहीं। पटेल चौक मेट्रो पर ओला ड्राइवर मंजीत सिंह तेवतिया ने कहा, भारत टैक्सी का रेट कम है। इसकी बुकिंग भी आसान है। एप दिल्ली पुलिस की ऑनलाइन सेवा से सीधे जुड़ा है। - शेष पेज 10 पर

सहकारी टैक्सी... 2 बड़े फायदे और आशंकाएं

फायदे: **1. कमीशन नहीं:** ओला, उबर जैसी कंपनियां जहां ड्राइवरों की कमाई में से 20-30% कमीशन काटती हैं, वहीं सहकारी टैक्सी में कमीशन नहीं कट रहा। ड्राइवर रतनजोत ने बताया कि हमें कमाई का 100% हिस्सा मिलने लगेगा।

2. मालिकाना हक: प्राइवेट कंपनियां ड्राइवरों को लाभ में भागीदार नहीं बनातीं। भारत टैक्सी में ड्राइवर कंपनी में शेयर होल्डर रहेंगे। हर ड्राइवर को एक शेयर लेना ही है। अधिकतम 5 शेयर ले सकते हैं।

आशंकाएं: **1. चुनौती:** पूरे देश में लाखों ड्राइवरों को जोड़ना होगा। स्थानीय नियम कानून और इंफ्रास्ट्रक्चर भी बनाना होगा। नम्मा सर्विस बेंगलुरु में ही सफल हुई, लेकिन अन्य जगहों पर नहीं।

2. फंडिंग: भारत टैक्सी के पीछे 8 बड़ी कोऑपरेटिव संस्थाएं हैं, लेकिन ओला-उबर में अरबों डॉलर की फंडिंग हैं। इन कोऑपरेटिव्स को 80 करोड़ रु. निवेश करना है, लेकिन अभी 16 करोड़ ही हुआ है।

Publication Name: Navbharat Times
Publication Date: 01/01/2026
Edition: Delhi
Page No: 10
CCM: 145.32

'Bharat Taxi' App will provide freedom from arbitrary fares and commissions!

'भारत टैक्सी' ऐप दिलाएगा मनमाने किराये और कमिशन से आज़ादी!

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इस ऐप का चल रहा है ट्रायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अक्सर ऐसा होता है। आप जल्दी में है, कहीं जल्दी जाना है। लेकिन जब कैब बुक करते हैं तो किराया महंगा दिखता है। ऐसे में या तो आप महंगा किराया देकर जाते हैं या फिर प्लान कैंसल करते हैं। वहीं, वर्तमान में मौजूद प्राइवेट कैब बुकिंग ऐप के जरिए कैब चलाने वाले ड्राइवरों की अक्सर शिकायत रहती है कि उन्हें ज्यादा कमीशन देना पड़ता है, जितना मुनाफा होना चाहिए, उतना नहीं होता है। ऐसे लोगों और ड्राइवरों के लिए अब एक सहकारी कैब बुकिंग ऐप 'भारत टैक्सी' बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। अभी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इस ऐप का ट्रायल चल रहा है और देशभर में एक लाख से ज्यादा लोग इसे डाउनलोड कर चुके हैं।

AI Image

कस्टमर के हिसाब से इसमें पीक टाइम पर किराया नहीं बढ़ेगा, यानी हमेशा एक ही किराया रहेगा। इस बारे में कैब ड्राइवर शिशुपाल सिंह ने कहा कि मैं तो इस ऐप से जुड़ भी चुका है। एक महीने हो गए। इसकी खासियत यह है कि जब कोई कस्टमर कैब बुक करेगा तो जितने रुपये में बुकिंग दिखाएगा उतने ही रुपये लेंगे, यह रेट हमेशा रहेगा। हालांकि उनका कहना है कि अभी कस्टमर नहीं मिल रहे हैं, लेकिन मुझे इतना पता है कि इसमें हमारा ज्यादा फायदा है, हमें अपने कैब एग्रीगेटर को कमीशन नहीं देना पड़ेगा। इस ऐप से ड्राइवरों को होने वाले फायदे के बारे में कैब ड्राइवर राहुल पोद्दार ने कहा कि अभी अलग-अलग कैब एग्रीगेटर में नियम भी अलग है। एक कंपनी में 150 रुपये का रिचार्ज कराना होता है, यह 24 घंटे के लिए मान्य होता है। इसी प्रकार एक अन्य कंपनी में 500 रुपये लेते हैं, इसके बाद आप 10 हजार किलोमीटर चल सकते हैं। अगर रिचार्ज नहीं करते हैं तो कमीशन के तौर पर 39 रुपये और 18 पर्सेंट जीएसटी देना होता है। इसलिए इस नए ऐप से हमें बहुत उम्मीद है।

इस बारे में कैब ड्राइवर सलीम ने कहा कि जब दिल्ली में शुरू होगा तो मैं तो इसे जरूर यूज करूंगा। बहुत काम की चीज है। इस बारे में कैब ड्राइवर शिवम यादव ने भी कहा कि सुना तो है लेकिन अभी ज्यादा पता नहीं है।